A–1053

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY(N)-220

मेलापक एवं विवाह

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मेलापक से आप क्या समझते हैं ? मेलापक के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालिये।

2. अष्टकूट दोष परिहार का विस्तार से उल्लेख कीजिये।

3. द्वादशभावस्थ मङ्गल दोष के शास्त्रीय पक्षों को व्याख्यायित कीजिये।

4. विवाह के प्रयोजन का वर्णन करते हुए उसके विविध प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिये।

5. द्विरागमन मुहूर्त्त का विस्तार से उल्लेख कीजिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. बाणदोष विचार को स्पष्ट कीजिये।

2. पञ्चशलाका वेध पर टिपण्णी लिखिए।

3. विवाह मास तथा उसके फल का उल्लेख कीजिये।

4. विवाह में चन्द्र बल का विचार कैसे करते हैं? स्पष्ट करें।

5. गुरु के बाल एवं वृद्धत्व का वर्णन कीजिये।

6. भद्रावासविचार का उल्लेख कीजिये।

7. मांगलिक योग पर टिपण्णी लिखिये।

8. पञ्चधा मैत्री विचार से आप क्या समझते हैं ? उल्लेख कीजिये।

****